Sl. No. :

BHN-35-V

Total No. of Pages : 2

Third Year B.A. Degree Examination, May/June - 2026

(SLM Scheme)

हिन्दी (Hindi) (Optional) (Paper - V) (Group - II)

Texts : मध्यकालीन हिन्दी काव्य (सुन्दरकाण्ड), रस, छंद तथा अलंकार

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

Note : ***All sections are compulsory.***

SECTION - A

I. किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **[4 × 5 = 20]**

1. जामवंत के वचन सुहाए । सुनि हनुमंत हृदयं अति भाए ।।
   तब लगि मोहि परिखहु तुम्ह भाई । सहि दुःख कंद मूल फल खाई ।।
   जब लगि आवौं सीतहि देखी । होइहि काणु मोहि हरष विसेषी ।।
   अस कहि नाइ सबन्हि कहुँ माथा । चलेउ हरषि हियँ धरि रघुनाथा ।।
2. त्रिजटा नाम राक्षसी एका । राम चरन रति निपुन बिबेका ।।
   सबन्हौं बोलि सुनाएसि सपना । सीतहि सेइ करहु हित अपना ।।
   सपनें बानर लंका जारी । जातुधान सेना सब मारी ।।
   खर रुढ़ नगन दससीसा । मुंडित सिर खंडित भुज बीसा ।।
3. जानउँ मैं तुम्हारि प्रभुताई । सहसबाहु सन परी लराई ।।
   समर बालि सन करि जसु पावा । सुनि कपि बचन विहँसि बिहरावा ।।
   खायेउँ फल प्रभु लागी भूखा । कपि सुभाव ते नोरेउँ रूखा ।।
   सबके देह परम प्रिय स्वामी । मारहिं मोहि कुमारगगामी ।।
4. चलत मोहि चूड़ामनि दीन्ही । रघुपति हृदयँ लाइ सोइ लीन्ही ।।
   नाथ जुगल लोचन भरि बारी । बचन कहे कछु जनककुमारी ।।
   अनुज समेत गहेहु प्रभु चरना । दीनबंधु प्रनतारति हरना ।।
   मन क्रम बचन चरन अनुरागी । केहिं अपराध नाथ हौं त्यागी ।।

5. बुध पुरान श्रुति संमत बानी । कही विभीषन नीति बखानी ।।
सुनत दसानन उठा रिसाई । खल तोहि निकट मृत्यु अब आई ।।
जिअसि सदा सठ मोर जिआवा । रिपु कर पच्छ मूढ़ तोहि भावा ।।
कहसि न खल अस को जग माहीं । भुजबल जेहिं जीता मैं नाहीं ।।

6. सुनत बिहसि बोले रघुबीरा । ऐसेहिं करब धरहु मन धीरा ।।
अस कहि प्रभु अनुजहि समुझाई । सिंधु समीप गये रघुराई ।।
प्रथम प्रनाम कीन्ह सिरु नाई । बैठे पुनि तट दर्भ इसाई ।।
जबहिं बिभीषन प्रभु पहिं आये । पाछें रावन दूत पठाये ।।

SECTION - B

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **[3 × 10 = 30]**

7. रस का अर्थ स्पष्ट करते हुए, विभिन्न रसों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

8. भरतमुनि जी का रससुत्र प्रस्तुत करते हुए, श्रृंगार रस पर चर्चा कीजिए ।

9. छन्द शास्त्र या पिंगल शास्त्र का सामान्य परिचय दीजिए ।

10. चौपाई छन्द के लक्षणों को सोदाहरण लिखिए ।

11. उपमा अलंकार के कितने भेद हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

SECTION - C

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **[2 × 15 = 30]**

12. सुंदरकांड के आधार पर हनुमान – माँ सीता प्रसंग पर एक लेख लिखिए ।

13. दोहा और रोला छन्द के लक्षणों को समझाते हुए, इन दोनों छंदों को सोदाहरण लिखिए ।

14. रौद्र रस और वीर रस के गुण एवं भावों पर चर्चा कीजिए ।

15. दृष्टांत अलंकार किसे कहते हैं? उदाहरण सहित उसके लक्षणों को लिखते हुए काव्य में दृष्टांत अलंकार के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।

⌘⌘⌘